नाशकेत इटावा के दुबे कहाये, तिनके पुत्र भगोले शिवराजपुर के दुबे कहाये।

कौशिक गोत्र अवस्थी मिश्र दुबे तिवारी दीक्षित त्रिगुणायत अग्निहोत्री पाठकों का स्थान असामी विस्वा

स्थान असामी	विस्वा.	स्थान असामी	विस्वा
अवस्थी मदेसी देवकीनंद	३	बिलहू के बलदेव	२
" " शोभाराम	२	दीक्षित कलिंग के कुंज	१
पिहानी के बैजनाथ	"	त्रिगुणायत इटावा के चिंतामणि	३
मुर्वापुर के विश्वम्भर	"	कपिला के रतिनाथ	३
मिश्र कलिंग के किशोर	३	अग्निहोत्री ख्यूरा के	१
बहिरामपुर के गोपी	१	राउत सुवाकर के	१
संकेतपुर के गदाधर	३	पाठक पूरथलाके द्वारिका	१
दुबे इटावा के नाशकेत	१	❀ इति कौशिक गोत्रम् ❀	
शिवराजपुर के भगोले	३		
तिवारी ऐंठाने के गिरजापती	२		

पाराशर गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री महर्षि पाराशर जी के कुल में शक्तिधर नामक पंडित परम तेजस्वी भये और नागपुरी पाराशरी दुबे कहलाये, तिन्हीं शक्तिधर के १

महेशदत्त नागपुरी शुक्ल कहाये तिनके ३ पुत्र भये १ शिवभजन रामपुरी शुक्ल, २ हरिभजन नागापुरी दुबे, ३ रामभजन नागापुरी तिवारी कहाये, तिनके २ पुत्र १ प्रियतम पहाड़पुर के तिवारी, दूसरे विष्णुदत्त गुदरियापुर के शुक्ल कहाये, हरिभजन के तीन पुत्र १ सधारी सिमौनी के दुबे, दूसरे गोविन्द बसही के दुबे तीसरे महतू नरवल के दुबे कहाये, शिवभजन के ३ पुत्र १ बिहारी सिमौनी के मिश्र, २ शंकर सिमौनी के अवस्थी, ३ परमानन्द सिमौनी के दीक्षित कहाये।

पराशर गोत्र दुबे तिवारी शुक्ल अवस्थी मिश्र दीक्षित पाठकों का स्थान असामी बिस्वा

स्थान असामी	बिस्वा	स्थान असामी	बिस्वा
दुबे पराशरी शक्तिधर	१	शुक्लनागापुरीमहेशदत्त	१
नागापुरी हरिभजन	२	रामपुरी शिव भजन	२
[illegible]मौनी के सधारी	१	गुदरियापुर के विष्णुदत्त	२
कों[illegible] के गोविंद	१	अवस्थी सिमौनी के शंकर	,,
[illegible]वरपुर के महतू	१	दीक्षितसिमौनीकेपरमानन्द	,,
[ति]वारी नागापुरी रामभजन	२	पाठक सिमौनी के	,,
[प]हाड़पुर के प्रितयम	२		
सिमौनी के बिहारी	,,		
[illegible] मिश्र	,,	इति पाराशर गोत्रम्।	